



राजा

लिखिए

1. गद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

मैंने कहा भारी हो रहे थे।

- क. बच्चा क्या माँग रहा था? i. रोटी ✓
ख. अभी तक बच्चा क्या खा रहा था? iii. पत्ते ✓
ग. बच्चा क्या सोचता था? iii. अकाल गरीबों के यहाँ ही है ✓
घ. रोटी कौन, किससे और क्यों माँग रहा था?
उ. बच्चा, बाबा से रोटी माँग रहा था क्योंकि भूख अब सहन नहीं हो रही थी।
ङ. 'मन-मन भर भारी होना' का क्या अर्थ है?
उ. जीवन में हर तरह से निराशा भरी हुई थी। निराश मन से घर लौटने के लिए पैर उठ नहीं रहे थे।

2. संक्षेप में उत्तर लिखिए—

- क. लेखक प्रेसवाले की कौन-सी बात सुनकर चौंका?
उ. लेखक प्रेसवाले की उम्र जानकर चौंक गया।
ख. सरकारी आदमी क्या मुनादी कर रहा था?
उ. सरकारी आदमी महाराजा रणजीत सिंह द्वारा गरीबों को अनाज देने की मुनादी कर रहा था।
ग. राजा की उदारता पर लोगों की क्या प्रतिक्रियाएँ थीं?
उ. लोगों की प्रतिक्रिया थी कि राजा आदमी नहीं, देवता हैं।
घ. बाबा को अनाज मुफ्त मिलने की बात पर विश्वास क्यों नहीं हुआ?
उ. बाबा निराश हो चुके थे इसलिए उन्हें अनाज मुफ्त मिलने की बात पर विश्वास नहीं हुआ।
ङ. सबको बीस-बीस सेर अनाज मिल रहा था पर बाबा को चालीस सेर मिला। क्यों?
उ. बाबा ने अपनी बेबसी, गरीबी और बुढ़ापे का हवाला देकर चालीस सेर अनाज प्राप्त किया।



3. विस्तार से उत्तर लिखिए—

- क. अकाल पड़ने पर क्या हुआ ?
- उ. अकाल पड़ने पर चारों ओर हाहाकार मचा हुआ था। तालाब, नदी, नाले सूख गए थे। मुसलमान मस्जिदों में पड़ते, हिंदू मंदिरों में पूजा करते, सिक्ख गुरुद्वारों में ग्रंथ साहब का पाठ करते थे। बाजारों में रौनक न थी, पर ग्राहक न थे, घरों में अनाज न था। लोग भूखों मर रहे थे।
- ख. सारे घर को रात में नौद क्यों नहीं आई ?
- उ. यह जानकर कि घर तक गठरी पहुँचाने वाला कोई और नहीं था बल्कि स्वयं उनके महाराज थे, सारे घर को नौद नहीं आई। सारा घर जागता था और सच्चे दिल से महाराज के लिए दुआ माँगता था।
- ग. सरदार साहब की विशेषताएँ लिखिए। उदाहरण भी दीजिए।
- उ. सरदार साहब की विशेषताएँ—
- सरदार साहब दयालु थे। जनता के दुख को अपना दुख समझते थे। अकाल के समय में उन्होंने बाजार से खरीदकर जनता में निशुल्क वितरित करवाया था।
 - उनमें अहंकार नाममात्र का भी नहीं था। जब बूढ़े बाबा से अनाज की गठरी नहीं उठी तो स्वयं ही गठरी बूढ़े बाबा के घर तक ले गए थे।
 - सरदार साहब सच्चे कर्मयोगी थे। लोभ-लालच तो उन्हें छू भी नहीं गया था।

आशय स्पष्ट कीजिए—

- क. आजकल तो पचास साल से पहले ही तैयारी कर लेते हैं।
- उ. आजकल लोगों का जीवन शैली कुछ ऐसी हो गई है कि पचास की उम्र तक आते-आते अनेक असाध्य रोग लेते हैं और व्यक्ति असमय ही मौत के मुँह में चला जाता है।
- ख. पानी सिवाय आँखों के कहीं नजर न आता था।
- उ. राज्य में पानी के सभी स्रोत नदी, तालाब, कुएँ सूख चुके थे। चारों ओर हाहाकार मचा हुआ था। पानी केवल की आँखों में आँसू के रूप में दिखाई देता था।

समझिए व्याकरण संबोध

1. इन शब्दों में उचित स्थान पर नुक्ता लगाकर लिखिए—

आवाज	—	“आवाज”	जमीन	—	“जमीन”	कागज	—	“कागज”
बरफ	—	“बरफ”	ज्यादा	—	“ज्यादा”	टेलीफोन	—	“टेलीफोन”
अंग्रेज	—	“अंग्रेज”	महफिल	—	“महफिल”	जमाना	—	“जमाना”

2. पर्यायवाची शब्द लिखिए—

नेत्र	—	“नयन”	“आँख”	नदी	—	“सरिता”	“तरंगिणी”
राजा	—	“नृप”	“महीप”	अमोर	—	“रईस”	“धनवान”
वर्षा	—	“बरखा”	“बारिश”	फूल	—	“पुष्प”	“सुमन”

3. विपरीतार्थक शब्द लिखिए—

सुखी	×	“दुखी”	विश्वास	×	“अविश्वास”	गरीब	×	“अमीर”
महंगा	×	“सस्ता”	संदेह	×	“निस्संदेह”	अनजान	×	“जानकार”



8

लाल जूता

लिखिए

1. गद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

“बड़े भैया भूलूंगी।”

क. यह किसने, किससे कहा?

ii. चुहिया ने लाल जूते से ✓

ख. चुहिया के पोछे कौन पड़ा था?

iii. बिल्ली ✓

ग. चुहिया लाल जूते के पास क्यों आई थी?

iii. उसके भीतर छुपने ✓

घ. उसने क्या फरियाद की?

“उसने फरियाद की कि एक मोटा काला बिल्ली मेरे पोछे पड़ी है। इसलिए मुझे अपनी छत्र-छाया में रहने दो”

ङ. क्या उसे मदद मिली?

“नहीं, उसे मदद नहीं मिली।”



2. संक्षेप में उत्तर लिखिए—

- क. मालिक ने लाल जूते को कहाँ और क्यों फेंक दिया?
- उ. लाल जूते के मालिक ने उसे कबाड़पर में फेंक दिया क्योंकि लाल जूता बार-बार उसके पैरों में काटता था।
- ख. लाल जूते ने अपनी किस्मत को खराब क्यों कहा?
- उ. लाल जूते ने अपनी किस्मत को खराब कहा क्योंकि उसके अनुसार वह मामूली लोगों के पल्ले पड़ गया था।
- ग. मालकिन को खोमचेवाले पर दया क्यों आई?
- उ. मालकिन को इसलिए दया आई क्योंकि खोमचेवाला कड़ी भूप में नंगे पाँव था। उसने पैरों में कुछ न पहना था।
- घ. खोमचेवाले के साथ पहले दिन लाल जूते का क्या हाल हुआ?
- उ. लाल जूते ने दिनभर गली-सड़कों के चक्कर लगाए। कड़ी भूप में वह अधमरा हो चुका था।

3. विस्तार से उत्तर लिखिए—

- क. लाल जूते ने कुरसी को अपने कबाड़खाने में फेंके जाने का क्या कारण बताया?
- उ. लाल जूते ने बताया कि यह दुनिया मतलबी लोगों से भरी हुई है। कुरसी ने इतने दिन सबकी सेवा की और खराब होने पर उसे भी यहाँ डाल दिया गया। इसलिए वह पहले से ही बेकार चीजों में नाम लिखवाकर यहाँ चला आया। उसकी किस्मत खराब है जो वह मामूली किस्म के लोगों के पल्ले पड़ गया।
- ख. खोमचेवाले के पैरों तक लाल जूता कैसे पहुँचा? अपने शब्दों में लिखिए।
- उ. गरमी के दिन थे। एक दिन दोपहर के समय घर की मालकिन ने देखा कि खोमचेवाला सड़क पर नंगे पाँव चला आ रहा था। चिलचिलाती भूप में खोमचेवाले को बहुत तकलीफ हो रही होगी, यह सोचकर मालकिन को दया आ गई। उसने खोमचेवाले को लाल जूते दे दिए।
- ग. फूस के छप्पर की किन बातों ने लाल जूते की आँखें खोल दीं?
- उ. फूस के छप्पर ने लाल जूते से कहा, "जो किसी के काम न आए, उसे कोई कूड़ा-करकट नहीं तो क्या होरा-मोती कहेगा? तुमने दूसरों को कष्ट देने के सिवा और किया ही क्या है? इस घर ने मुझे सिर पर इसलिए उठ रखा है कि मैं इसमें रहनेवाले को गरमी, ठंडक और बरसात से बचाने के लिए खुद कष्ट झेलता हूँ। अपनी जिदगी दूसरों के काम न आए तो वह बेकार है।" इन बातों को सुनकर लाल जूते की आँखें खुल गईं।
- घ. सड़क पर फेंके जाने के बाद लाल जूते के साथ क्या हुआ?
- उ. खोमचेवाले ने बेकार समझकर लाल जूते को सड़क पर फेंक दिया, तब उसे एक मोची उठ ले गया। मोची ने अपनी दुकान पर ले जाकर, लाल जूते के सहो-सलामत भागों को काटकर रख लिया और उन भागों से पुराने जूतों की मरम्मत की।
- ङ. यह कहानी हमें क्या सिखाती है?
- उ. यह कहानी हमें सीख देती है कि हमें अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करना चाहिए। जो भी कार्य दिया जाए उसे अच्छे अवसर मानकर करना चाहिए। हमें कभी अहंकार नहीं करना चाहिए। समय विशेष पर किसी की सहायता करने में नहीं चूकना चाहिए।

समझिए व्याकरण संबोध

1. विपरीतार्थक शब्द लिखिए—

कटोर × "कोमल"
निकम्मा × "कमेरा"

लायक × "नालायक"
सुंदर × "कुरूप/असुंदर"

मजबूत × "कमजोर"
सस्ता × "महंगा"

2. नीचे लिखे शब्दों में से प्रत्यय अलग कर अर्थ लिखिए—

क. पंकज — "पंक" + "ज" (कोंचड़ में जन्म लेनेवाला)

ख. लेखक — "लेख" + "क" (लिखनेवाला)

ग. वंशज — "वंश" + "ज" (वंश में पैदा होनेवाला)

घ. कृपक — "कृप" + "क" (कृपि कार्य करनेवाला)

ङ. नीरज — "नीर" + "ज" (पानी में पैदा होनेवाला)

च. अंडज — "अंड" + "ज" (अंडे से जन्म लेनेवाला)